मासिक भत्तों के वितिरण हेतु 'पे रोल ऑटोमेशन' (PADMA)

प्रलिम्सि के लयि:

PADMA, भारतीय तटरक्षक बल, केंद्रीकृत वेतन प्रणाली, डजिटिल भारत, आत्मनरि्भर भारत, वशिेष आर्थकि क्षेत्र (SEZ), RTGS, NEFT

मेन्स के लयि:

वभिन्नि सुरक्षा बल और एजेंसयिाँ तथा उनके अधदिश, केंद्रीकृत और वकिेंद्रीकृत भुगतान प्रणाली, भारतीय तटरक्षक बल

चर्चा में क्यों?

हाल ही में रक्षा मंत्रालय ने 'मासकि भत्तों के वतिरण के लयि पे रोल ऑटोमेशन' (PADMA) का उद्घाटन कयिा, जो भारतीय तटरक्षक बल के लयि एक स्वचालति वेतन और भत्ता मॉड्यूल है।

PADMA के संबंध में मुख्य बदिु:

- **परचिय:**
  - PADMA नवीनतम तकनीक का लाभ उठाने वाला एक स्वचालति मंच है जो लगभग 15,000 भारतीय तटरक्षक कर्मयिों को वेतन और भत्तों का नर्बिाध एवं समय पर वतिरण सुनश्चिति करेगा।
  - यह मॉड्यूल रक्षा लेखा वभिाग के तत्त्वावधान में वकिसति कयिा गया है और वेतन लेखा कार्यालय तटरक्षक, नोएडा द्वारा संचालति कयिा जाएगा।
- **महत्त्व:**
  - इस पहल ने उस केंद्रीकृत वेतन प्रणाली की शुरुआत को चहि्नति कयिा है, जसिकी नींव रक्षा लेखा वभिाग मुख्यालय द्वारा मंत्रालय के तहत सभी संगठनों के लयि 'वन स्टॉप पे अकाउंटगि' समाधान प्रदान करने के लयि रखी जा रही है।
  - PADMA के लॉन्च से डजिटिल इंडयिा वज़िन की अवधारणा को मज़बूती मलिेगी। साथ ही यह एक 'आत्मनरि्भर भारत' पहल है क्योंकि पूरे मॉड्यूल को डोमेन वशिेषज्ञों द्वारा सहायता प्राप्त भारतीय उद्यमयिों ने डज़िाइन और वकिसति कयिा है।

केंद्रीकृत और वकिेंद्रीकृत भुगतान प्रणाली

- भारत में केंद्रीकृत भुगतान प्रणाली में रयिल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट (RTGS) प्रणाली और राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनकि नधि अिंतरण (NEFT) प्रणाली कसिी भी अन्य प्रणाली के रूप में शामलि होंगे जसि पर समय-समय पर भारतीय रज़िर्व बैंक द्वारा नरि्णय लयिा जा सकता है।
- **RTGS:** यह लाभार्थयिों के खाते में वास्तवकि समय पर धनराशकि हस्तांतरण की सुवधिा को सक्षम बनाता है और इसका प्रयोग मुख्य तौर पर बड़े लेन-देनों के लयि कयिा जाता है।
  - यहाँ 'रयिल टाइम' अथवा वास्तवकि समय का अभपि्राय नरि्देश प्राप्त करने के साथ ही उनके प्रसंस्करण (Processing) से है, जबकि 'ग्रॉस सेटलमेंट' या सकल नपिटान का तात्पर्य है कि धन हस्तांतरण नरि्देशों का नपिटान व्यक्तगित रूप से कयिा जाता है।
- **NEFT:** यह एक देशव्यापी भुगतान प्रणाली है, जो इलेक्ट्रॉनकि माध्यम से धन के हस्तांतरण की सुवधिा प्रदान करती है।
  - इसका उपयोग आमतौर पर 2 लाख रुपए तक के फंड ट्रांसफर के लयि कयिा जाता है।
- वकिेंद्रीकरण भुगतान प्रणाली में भारतीय रज़िर्व बैंक द्वारा समाशोधन व्यवस्था [चेक ट्रंकेशन सस्टिम (CTS)] के साथ-साथ अन्य बैंक [एक्सप्रेस चेक क्लयिरगि सस्टिम (ECCS) केंद्रों की जाँच] और कसिी अन्य प्रणाली के रूप शामलि होंगे जसिमें समय-समय पर भारतीय रज़िर्व बैंक द्वारा नरि्णय लयिा जाएगा।
  - **चेक ट्रंकेशन:** यह भुगतानकर्त्ता बैंक द्वारा भुगतानकर्त्ता बैंक शाखा के रास्ते में कसिी बदिु पर ड्रॉअर द्वारा जारी कयि गए भौतकि चेक के प्रवाह को रोकने की प्रक्रयिा है।

भारतीय तटरक्षक बल:

- **परिचय:**
  - यह भारत की एक समुद्री कानून प्रवर्तन और खोज एवं बचाव एजेंसी है, जिसका **क्षेत्राधिकार** इसके **निकटवर्ती क्षेत्र एवं अनन्य आर्थिक क्षेत्र सहित अपने क्षेत्रीय जल पर है।**
    - सन्निहित क्षेत्र: **यह जल का एक बैंड है जो क्षेत्रीय समुद्र के बाहरी किनारे बेसलाइन से 24 समुद्री मील तक फैला होता है।**
    - विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (SEZ): यह किसी देश में एक ऐसा क्षेत्र होता है जो एक ही देश के भीतर अन्य क्षेत्रों की तुलना में विभिन्न आर्थिक नियमों के अधीन होता है।
  - यह **रक्षा मंत्रालय** के अंतर्गत आता है।
  - ICG के गठन की अवधारणा 1971 के युद्ध के बाद अस्तित्व में आई।
  - दूरदर्शी रुस्तमजी समिति द्वारा बहुआयामी तटरक्षक बल के लिये खाका तैयार किया गया था।
- **कार्य:**
  - **तस्करी को रोकना:** ICG के प्राथमिक कर्तव्यों में से एक समुद्री मार्गों से तस्करी को रोकना है।
    - सन्निहित क्षेत्र और अनन्य आर्थिक क्षेत्र (EEZ) सहित भारत के क्षेत्रीय जल पर इसका अधिकार क्षेत्र है।
  - **नागरिकों को सहायता:** इसने अपने विभिन्न कार्यों के दौरान अब तक लगभग 13,000 नागरिकों को बचाया है। बाढ़, चक्रवात एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं के दौरान भी नागरिकों को सहायता प्रदान की।
  - **समुद्री सुरक्षा:** यह अंतर्राष्ट्रीय समुद्री अपराधों का मुकाबला करने और अपने अधिकार वाले क्षेत्र के साथ ही हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा बढ़ाने हेतु तटवर्ती देशों के साथ भी सहयोग करता है।
  - सागर पहल (Security and Growth for All in the Region-SAGAR) तथा नेबरहुड फर्स्ट' (Neighbourhood First) की नीति के तहत ICG ने महासागरों में व्यावसायिक संबंधों का विकास किया है और महासागर शांति स्थापना के लिये हिंद महासागर क्षेत्र के देशों के साथ संबंध स्थापित किये हैं।
  - **आपदा प्रबंधन में भूमिका:** ICG ने बड़ी पारिस्थितिक आपदाओं के दौरान सफलतापूर्वक सुरक्षा प्रदान की है और इस क्षेत्र में 'प्रथम प्रतिक्रियाकर्त्ता' (First Responder) के रूप में उभरा है।
    - उदाहरण के लिये आईसीजी ने हाल ही में श्रीलंका तट पर सागर आरक्षा-II के रासायनिक वाहक एमवी एक्सप्रेस पर्ल जहाज़ पर आग बुझाकर गंभीर पारिस्थितिक आपदा को सफलतापूर्वक टाल दिया।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/pay-roll-automation-for-disbursement-of-monthly-allowances-padma